कार्यवाही उन्मुक्त भारत, मेरठ इकाई बैठक दिनांक 09.04.2016

दिनांक 09.04.2016 को उन्मुक्त भारत की मेरठ इकाई की एक बैठक हुई जिसमें निम्न निर्णय लिए गएः–

1. **ग्रामीण विकास योजना** : डा प्रदीप राघव इस योजना की मेरठ इकाई के संयोजक हैं। इनका फोन नं0 9837175914 है तथा मेल आई डी drpradeepraghav@gmail.com है। जो सदस्य इस योजना के अन्तर्गत कार्य करना चाहते हैं वे डा0 प्रदीप राघव से सीधे सम्पर्क करके अपना नाम, फोन नं0 एवं मेल आई डी उन्हें लिखवा दें एवं उनके साथ इस योजना में कार्य करें। वर्तमान में इस योजना के अन्तर्गत निम्न कार्य किए जाएंगेः–

   (क) राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित ग्राम घाट को स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय के साथ मिल कर गोद लिया जाएगा। गोद लेने का अर्थ अपनी सामर्थ्यानुसार निम्न कार्यों में ग्राम्य विकास हेतु योगदान देना हैः

   1. सबको शिक्षा।
   2. सबको चिकित्सा सुविधा।
   3. शुद्ध पेयजल की सबको उपलब्धता।
   4. स्वरोजगार को प्राथमिकता देते हुए रोजगार परक शिक्षा ग्रहण करने को प्रोत्साहन।
   5. स्वच्छ गांव, जहां घर–घर में शौचालय हों, सड़कों के किनारे नालियां बनी हों, कूड़ा डालने हेतु उचित स्थान नियत हों तथा वहां से भी कूड़े को हटाने की उचित व्यवस्था हो।
   6. सड़कों का निर्माण।
   7. ऊर्जा–बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करना एवं वैकलिपक ऊर्जा के स्त्रोतों को उपलब्ध कराना।
   8. ग्राम में साम्प्रदायिक एवं जातीय सद्भाव को बढ़ावा देना।
   9. ग्रामवासियों में राष्ट्र के प्रति समर्पण एवं राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण करना।
   10. प्रदूषण रोकथाम के लिए प्रयास।
   11. अन्य कार्य जैसा समय–समय पर निर्णय लिया जाए।

   चूँकि डा0 प्रदीप राघव स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय के आचार्य भी हैं तो विश्वविद्यालय से निवेदन किया गया है कि वह भी अपनी ओर से डा0 प्रदीप राघव को ही प्रभारी मनोनीत कर दें।

   इस कार्य में डा0 अतुल कृष्ण, सलाहकार के रूप में अपना योगदान देंगे। डा0 प्रदीप राघव एवं ग्राम प्रधान श्री संजय कुमार आपसी विमर्श करके दो–दो सहयोगी नामित करेंगे। दो प्रतिनिधि स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय द्वारा भी नामित किए जाएंगे। इस प्रकार आठ लोगों की टीम उपरोक्त वर्णित विषयों या उससे अलग भी किसी विषय, जो ग्रामीण हित में हो, पर चर्चा करके कार्य योजना तैयार करेगी। कार्य योजना तैयार होने के बाद कार्य प्रारम्भ कर दिया जाएगा।

गोद लेने का अर्थ यह नहीं है कि ग्राम्य विकास के विभिनन कार्यों में उन्मुक्त भारत या स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय अपनी ओर से पैसा खर्च करें। अर्थ यह है कि ग्राम्य विकास हेतु, जहां भी सम्भव हो कि सरकारी योजनाओं का लाभ उठाया जाए तथा जहां अत्यधिक आवश्यकता हो परनतु कोई सरकारी योजना न हो वहां समर्थ ग्रामीणों, समाज सेवी संस्थाओं, विधायकों, सांसदों एवं अन्य समर्थ लोगों का सहयोग लेकर कार्य सम्पन्न किया जाए। स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय अथवा उन्मुक्त भारत द्वारा कोई भी खर्चा दोनों संस्थाओं के सक्षम अधिकारियों / समिति की अनुमति के बाद ही किया जाएगा।

(ख) डा0 प्रदीप राघव इस योजना में सहयोगियों की सहायता से सुभारतीपुरम के 5 कि0मी0 के दायरे में स्थित सरकारी/गैर सरकारी प्राईमरी विद्यालयों में सर्वे करवाकर देखेंगे कि वहां शौचालयों की समुचित व्यवस्था है या नहीं। जिन विद्यालयों में शौचालयों की व्यवस्था नहीं है वहां इस व्यवस्था को सुनिश्चित किया जाएगा। डा0 प्रदीप राघव सर्वे के बाद अपने सुझाव कार्यकारिणी एवं आम सभा के समक्ष रखेंगे कि किस प्रकार उन विद्यालयों में शौचलयों की व्यवस्था किया जाना सम्भव है एवं तत्पश्चात उस पर कार्य प्रारम्भ होगा। लक्ष्य है कि एक वर्ष के भीतर सुभारतीपुरम के 5 कि0मी0 के दायरे में आने वाले सभी प्राईमरी एवं सेकेन्ड्री विद्यालयों में शौचालयों की समुचित व्यवस्था हो।

2. **जाति विहीन समाज योजना** : श्री राजकुमार सागर इस योजना की मेरठ इकाई के संयोजक है। इनका फोन नं0 9639010237 है तथा मेल आई डी sagarsubharti@gmail.com है। बैठक में योजना के वर्तमान में तीन सूत्रों को लागू करने का निर्णय लिया गया। बैठक में सुभारती के0के0बी0 चैरिटेबिल ट्रस्ट की अध्यक्षा डा0 शल्याराज भी उपस्थित थीं। निम्न निर्णय लिए गए जिनमें डा0 शल्याराज की सुभारती ट्रस्ट की अध्यक्षा के रूप में सहमति सम्मलित रहीः–

(i) नामों से जाति सूचक शब्द हटाना :

(क) जो शिक्षक अथवा छात्र अपने नाम से जाति सूचक शब्द हटाएँगे उन्हें सुभारती विश्वविद्यालय की ओर से प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा।

(ख) जो गैर शिक्षक कर्मचारी अपने नाम से जाति सूचक शब्द हटाएँगे उन्हें सुभारती विश्वविद्यालय की ओर से वेतन में रु0 50/–प्रति माह का **'समरसता भत्ता'** दिया जाएगा

(ग) उन्मुक्त भारत के सदस्य विभिन्न विद्यालयों एवं व्यवसायिक/व्यापारिक संस्थानों में भी प्रचार करेंगे कि वहां भी इसी प्रकार की व्यवस्था लागू की जाए।

(ii) सहभोज :

(क) प्रत्येक तीन से छः माह में एक बार सुभारती विश्वविद्यालय कैम्पस में रहने वाले दलित वर्ग के कर्मचारियों/उनके परिवार की महिलाओं के हाथ का बनाया भोजन करेंगे। भोजन से पूर्व समाज में समानता लाने के के लिए छोटी सी चर्चा होगी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। पूरा कार्यक्रम 1 घंटे का होगा। सुभारती परिसर में पहला सहभोज नवरात्र व्रत परायण के रूप

में सायंकाल 6 बजे से 7 बजे तक होगा। प्रथम कार्यक्रम में भोजन के स्थान पर अल्पाहार एवं फलाहार होगा। इस आयोजन में डा0 अतुल कृष्ण द्वारा नवरात्र व्रत की नई विधि पर भी प्रकाश डाला जाएगा।

(ख) भविष्य में माह में कम से कम एक बार सहभोज किसी भी मलिन/दलित बस्ती में किया जाएगा।

(ग) सभी से निवेदन किया गया कि वे अपने घर के विभिन्न समारोह में दलित वर्ग के व्यक्तियों को समान रूप से आमंत्रित करें व उन्हें सबके साथ ही भोजन भी करवाएँ।

(iii) अर्न्तजातीय विवाह : अर्न्तजातीय विवाहों को प्रोत्साहित करने का आवाहन किया गया।

(क) अध्यक्षा सुभारती ट्रस्ट द्वारा घोषणा की गई कि :–

*जो शिक्षक अथवा छात्र अर्न्तजातीय विवाह करेंगे उन्हें प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा।

** जो गैर शिक्षक कर्मचारी सुभारती विश्वविद्यालय में कार्यरत हैं तथा अर्न्तजातीय विवाह करेंगे उन्हें निम्न प्रकार विशेष भत्ता दिया जाएगा।

– सवर्ण–सवर्ण अन्तर्जातीय विवाह पर – रु0 500/– प्रतिमाह **''अवि–भत्ता''**।

– सवर्ण–दलित अन्तर्जातीय विवाह पर – रु0 1,000/– प्रतिमाह **''अवि–भत्ता''**।

मुख्यः यदि पति–पत्नी दोनों संस्था में कार्यरत हैं तो भत्ता दोनों को आधा–आधा मिलेगा या एक को पूरा।

(ख) उन्मुक्त भारत के सदस्य विभिन्न विद्यालयों एवं व्यवसायिक/व्यापारिक संस्थानों में भी प्रचार करेंगे कि वहां भी इसी प्रकार की व्यवस्था लागू की जाए।

3. **राष्ट्रीय चरित्र निर्माण योजना** :– डा0 नीरज करण सिंह इस योजना की मेरठ इकाई के संयोजक हैं। इनका फोन नं0 9639010408 है तथा मेल आई डी subharti.masscomm@gmail.com, sijmcviceprincipal@gmail.com है। उन्होंने योजना के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला और उन पर चर्चा हुई। विशेष बल महिलाओं के सम्मान एवं सुरक्षा पर रहा। डा0 यू0के0 सिंह एवं कुमारी हिना ने भी विचार रखे। वर्तमान में निम्न निर्णय लिए गएः

(i) **छात्र संकल्पः**– डा0 अतुल कृष्ण ने प्राइमरी, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों को संकल्प दिलाने के लिए अलग–अलग संकल्प बनाए हैं जिन्हें पढ़कर सुनाया गया। इस योजना के अन्तर्गत सदस्य विभिन्न विद्यालयों में जाकर उनके प्राचार्यों से मिलेंगे तथा उनसे निवेदन करेंगे कि वे अपने विद्यालय में प्रतिदिन छात्र संकल्प भी करवाएँ। जो विद्यालय इन्हें लागू

करेंगे उनके प्राचार्यों को प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान चिन्ह भेंट किया जाएगा। संकल्प **संलग्नक 1, 2 एवं 3** हैं।

4. **जागरूकता सैलः** श्री यासिर अराफात ने यह सुझाव दिया कि किसी भी कार्य से पूर्व एवं उसके अतिरिक्त जागरूकता आवश्यक है। जैसे बीमारी के इलाज के अतिरिक्त उससे बचने के लिए उपायों के प्रति जागरूकता। प्रस्ताव स्वीकार किया गया व उनसे कहा गया कि वे इस योजना का प्रारूप प्रस्तुत करें ताकि उस पर अगली बैठक में निर्णय लिया जा सके। सभी सदस्यों से अपेक्षा की गई कि अपने–अपने विषयों से सम्बन्धित जागरूकता के बिन्दुओं को अधोहस्ताक्षरी को लिखकर जमा करा दें।

5. **स्वास्थय शिविरः** छत्रपति शिवाजी सुभारती अस्पताल प्रत्येक सप्ताह दो बार ग्रमीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में चिकित्सा शिविरों का आयोजन कर रहा है। उन्मुक्त भारत के वो सदस्य जो इन शिविरों में भाग लेने के इच्छुक हैं वे डा0 अमित मोहन, फोन नं0 8791033967 संयोजक चिकित्सा शिविर अथवा अधोहस्ताक्षरी से संपर्क कर सकते हैं।

अनुज उन्मुक्त
राष्ट्रीय सचिव